INDIAN SCHOOL SOHAR SET' 1

FORMATIVE ASSESSMENT-IV (2015-16)

कक्षा ः VI विषय – हिन्दी पूर्णांक ः **20**

दिनांक ः समय ः **40** मिनट

सामान्य निर्देश **1** कृपया जाँच लें कि इस प्रश्न पत्र में कुल **9** प्रश्न हैं।

2 प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व उसका अंक अवश्य लिखा जाए।

प्रश्न (1) **अपठित गद्यांश**

जीवन को आनंदपूर्वक जीने के लिए विद्या और अनुशासन दोनों आवश्यक हैं। विद्या का अंतिम लक्ष्य हैं इस जीवन को मधुर तथा सुविधापूर्ण बनाना। अनुशासन का भी यही लक्ष्य है। अनुशासन से समय और धन दोनों की बचत होती है। जिस छात्र ने अपनी दिनचर्या निश्चित कर ली है उसका समय व्यर्थ नहीं जाता। वह समय पर अपना काम भी पूरा कर लेता है और मनोरंजन भी कर लेता है । वहीं अनुशासनहीन छात्र आज का काम कल पर टाल कर अपने लिए मुसीबत खड़ी कर लेता है। अनुशासन का गुण बचपन में ही सीखना चाहिए। अनुशासन सफल जीवन के लिए परमावश्यक है तथा उसकी प्रथम पाठशाला हैं विद्यार्थी जीवन।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए ः [1][4][4]

। **1**। जीवन को आनंदपूर्वक जीने के लिए क्या आवश्यक है

।**2**। विद्या का अंतिम लक्ष्य क्या है

।**3**। अनुशासन का गुण कब सीखना चाहिए

।**4**। अनुशासन की प्रथम पाठशाला किसे कहा है

.....

INDIAN SCHOOL SOHAR SET 2

FORMATIVE ASSESSMENT-IV (2015-16)

कक्षा ः VI विषय हिन्दी पूर्णांक ः **20**

दिनांक ः समय ः **40** मिनट

सामान्य निर्देश **1** कृपया जाँच लें कि इस प्रश्न पत्र में कुल **9** प्रश्न हैं।

2 प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व उसका अंक अवश्य लिखा जाए।

प्रश्न (1) **अपठित गद्यांश**

जीवन को आनंदपूर्वक जीने के लिए विद्या और अनुशासन दोनों आवश्यक हैं। विद्या का अंतिम लक्ष्य हैं इस जीवन को मधुर तथा सुविधापूर्ण बनाना। अनुशासन का भी यही लक्ष्य है। अनुशासन से समय और धन दोनों की बचत होती है। जिस छात्र ने अपनी दिनचर्या निश्चित कर ली है उसका समय व्यर्थ नही जाता। वह समय पर अपना काम भी पूरा कर लेता है और मनोरंजन भी कर लेता है । वहीं अनुशासनहीन छात्र आज का काम कल पर टाल कर अपने लिए मुसीबत खड़ी कर लेता है। अनुशासन का गुण बचपन में ही सीखना चाहिए। अनुशासन सफल जीवन के लिए परमावश्यक है तथा उसकी प्रथम पाठशाला हैं विद्यार्थी जीवन।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए ः [1][4][4]

। **1**। विद्या और अनुशासन दोनो क्यों आवश्यक हैं

।**2**। अनुशासन का अंतिम लक्ष्य क्या है

।**3**। किस छात्र का समय व्यर्थ नहीं जाता

।**4**। सफल जीवन के लिए क्या परमावश्यक है

प्रश्न (2) दिए गए शब्दों के वचन बदलिए। बादल□रश्मि [1]

प्रश्न (3) दिए गए वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखें। जो गिना ना जा सके [1]

प्रश्न (4) दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । विश्वास□परिश्रमी [1]

प्रश्न (5) दिए गए वाक्यों में रेखांकित पदों के सर्वनार्म भेद लिखें। [1]

1 कोई नहीं आया। **2** मैं पढ. रहा हू□

प्रश्न (6) दिए गए शब्दों के दो दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। आभा□ नव [2]

प्रश्न (7) दिए गए शब्द और मुहावरे से अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए ।पश्चात्ताप□त्राहि त्राहि मचना [2]

प्रश्न (8) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए। लोंदा□विपत्ति□आभामय□तुषार [2]

प्रश्न (9) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [6]

(क) राजा क्यों दुखी था□

(ख) डॉक्टर साहब ने बीमारी का क्या कारण बताया□

(ग) इंद्रधनुष कैसे बनता है□

प्रश्न (2) दिए गए शब्दों के वचन बदलिए। मोती□कली [1]

प्रश्न (3) दिए गए वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखें। जो रास्ता दिखाए [1]

प्रश्न (4) दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। तिरस्कृत□परिश्रमी [1]

प्रश्न (5) दिए गए वाक्यों में रेखांकित पदों के सर्वनार्म भेद लिखिए।

1 अपना गृहकार्य स्वयं करें। **2** यह पुस्तक लवि की है । [1]

प्रश्न (6) दिए गए शब्दों के दो दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। उपवन□बादल [2]

प्रश्न (7) दिए गए शब्द और मुहावरे से अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए ।पश्चात्ताप□आखें□खुलना [2]

प्रश्न (8) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए। परिपूर्ण□चिड़चिड़े□खाट□शहजादी [2]

प्रश्न (9) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [6]

(क) अरब के व्यापारी राज्य में किसलिए आते थे □

(ख) बाजार में बड़े खिलौने के कितने □पये मिलते थे□

(ग) उपवन किस प्रकार आभामय हो उठता है □